Syllabus

M.A. (Hindi) Part-II

Semester III & IV

2017-2018

एम.ए. भाग–दूसरा (सैमेस्टर–तीसरा)

तीसरे समैस्टर में विद्यार्थियों को कुल चार पेपरों का अध्ययन करना होगा, जिसमें से प्रथम तीन अनिवार्य होंगे। चौथे पेपर में तीन विकल्प होंगे, जिनमें से विद्यार्थी एक विकल्प चुनकर उसका अध्ययन करेंगे। प्रत्येक पेपर की बाह्य परीक्षा के 75 अंक होंगे व 25 अंक विभागीय आंतरिक मूल्यांकन पर आधारित होंगे।

पत्रों की रूपरेखा

पेपर पहला : आधुनिक हिन्दी काव्य–1

पेपर दूसरा : भारतीय काव्यशास्त्र

पेपर तीसरा : हिन्दी नाटक और निबंध

पेपर चौथा : वैकल्पिक अध्ययन :

विकल्प 1. निराला : विशेष अध्ययन

विकल्प 2. हिन्दी आलोचना और आलोचक

विकल्प 3. कबीर : विशेष अध्ययन

पेपर पहला – आधुनिक हिन्दी काव्य–1

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक **आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9**
लिखित परीक्षा : 75 अंक **लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26**
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्य पुस्तक

पद्यमाला, सम्पादक : डॉ. लालचन्द गुप्त 'मंगल', के.के. पब्लिकेशन्स, दिल्ली, केवल पाँच कवि– मैथिलीशरण गुप्त, प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी।

छात्रों और परीक्षकों के लिए निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक रचना से दो–दो व्याख्याएं 'अथवा' के विकल्प रूप में पूछी जाएंगी। पाठ्यक्रम से किसी भी रचनाकार को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों कवियों की एक–एक व्याख्या अनिवार्य है। 6×3=18
2. निर्धारित कवियों/रचनाओं से सम्बद्ध अथवा रूपी विकल्प के साथ छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा। उल्लेखनीय है कि आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों की मूल रचनाओं के खंड विशेष (Text Book) तक ही सीमित न रखकर संबंधित लेखक की मूल रचना के सम्पूर्ण संदर्भ तथा उसके सम्पूर्ण रचनाकर्म पर भी केन्द्रित हो। 9×3=27
3. छह लघु प्रश्न (जिनके उत्तर छह–सात पंक्तियों तक सीमित हों) पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे। सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 6×5=30

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक–सूची

1. साकेत : एक अध्ययन– डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन– डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना।
3. प्रसाद प्रतिभा– इन्द्रनाथ मदान।
4. निराला : रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. निराला : एक आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

पेपर दूसरा–भारतीय काव्यशास्त्र

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9
लिखित परीक्षा : 75 अंक लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. काव्य का स्वरूप, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु और काव्यभेद : महाकाव्य, खंडकाव्य, गीति काव्य।
2. शब्द–शक्तिया : अभिधा, लक्षणा और व्यंजना।
3. छहसंप्रदाय : अलंकार, रीति, वक्रोक्ति, रस, ध्वनि और औचित्य। रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे, पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से चार का उत्तर देना जरूरी होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से सात लघु प्रश्न बिना विकल्प के दिए जाएंगे, जिनका उत्तर छह–सात पंक्तियों में अनिवार्य है।

अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न – 10×4=40

सात लघु प्रश्न – 5×7=35

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत : गणपितचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. भारतीय काव्य शास्त्र : डॉ. योगेंद्रप्रताप सिंह– लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र : सत्यदेव चौधरी और शान्तिस्वरूप गुप्त।

पेपर तीन : हिन्दी नाटक और निबन्ध

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9
लिखित परीक्षा : 75 अंक लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. 'स्कंदगुप्त' – जयशंकर प्रसाद
2. 'आधे अधूरे' – मोहन राकेश
3. 'चिंतामणि' : रामचंद्र शुक्ल, पाँच निबन्ध (श्रद्धा–भक्ति, करूणा, ईर्ष्या, क्रोध, साधारणीकरण और व्यक्ति– वैचित्र्यवाद)

छात्रों और परीक्षकों के लिए निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक रचना से दो–दो व्याख्याएं 'अथवा' के साथ शत–प्रतिशत विकल्प रूप में पूछी जाएंगी। पाठ्यक्रम से किसी भी रचनाकार को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों रचनाओं की एक–एक व्याख्या अनिवार्य है। 6×3=18
2. निर्धारित लेखकों/रचनाओं से सम्बद्ध अथवा रूपी विकल्प के साथ छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा। उल्लेखनीय है कि आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों की मूल रचनाओं के खंड विशेष (Text Book) तक ही सीमित न रखकर संबंधित लेखक की मूल रचना के सम्पूर्ण संदर्भ तथा उसके सम्पूर्ण रचनाकर्म पर भी केन्द्रित हो। 9×3=27
3. छह लघु प्रश्न (जिनके उत्तर छह–सात पंक्तियों तक सीमित हों) पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे। सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 6×5=30

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक–सूची

1. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास, डॉ. दशरथ ओझा।
2. हिन्दी नाटक और रंगमंच : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल।

3. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक : रामजन्म शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. आधुनिक हिन्दी नाटक : बच्चन सिंह।
5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा।
6. मोहन राकेश और उनका रंग–कर्म : जयदेव तनेजा।

पेपर चार : (विकल्प–1) निराला : विशेष अध्ययन

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9
लिखित परीक्षा : 75 अंक लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26
समय : 3 घण्टे

1. 'बिल्लेसुर बकरिहा' (लघु उपन्यास) राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. 'नए पत्ते' (काव्य संग्रह) लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. 'पंत और पल्लव' (आलोचना) राजकमल प्रकाशन, दिल्ली। ('निराला रचनावली' के पांचवें खण्ड में संकलित)

छात्रों और परीक्षकों के लिए निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक रचना से दो–दो व्याख्याएं 'अथवा' के साथ शत–प्रतिशत विकल्प रूप में पूछी जाएंगी। पाठ्यक्रम से किसी भी रचनाकार को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों पुस्तकों की एक–एक व्याख्या अनिवार्य है। 6×3=18
2. निर्धारित लेखक/रचनाओं से सम्बद्ध अथवा रूपी विकल्प के साथ छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा। उल्लेखनीय है कि आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों की मूल रचनाओं के खंड विशेष (Text Book) तक ही सीमित न रखकर संबंधित लेखक की मूल रचना के सम्पूर्ण संदर्भ तथा उसके सम्पूर्ण रचनाकर्म पर भी केन्द्रित हो। 9×3=27
3. छह लघु प्रश्न (जिनके उत्तर छह–सात पंक्तियों तक सीमित हों) पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे। सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 6×5=30

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. महाप्राण निराला : गंगाप्रसाद पांडेय।
3. कवि निराला : नंद दुलारे वाजपेयी।
4. निराला : सं. इन्द्रनाथ मदान।

पेपर चार : (विकल्प–2) हिन्दी आलोचना और आलोचक

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक **आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9**
लिखित परीक्षा : 75 अंक **लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26**
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. हिन्दी आलोचना का विकास : भारतेन्दु से महावीर प्रसाद द्विवेदी तक (सामान्य अध्ययन)
2. भारतेन्दु के श्रेष्ठ निबन्ध सम्पा. सत्यप्रकाश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन (वितरक), इलाहाबाद (मात्र छह निबन्ध : जातीय संगीत, लेखक और नागरी–लेखक, नाटक अथवा दृश्य काव्य सिद्धांत विवेचन, हिन्दी भाषा, हिन्दी कविता, वैष्णवता और भारतवर्ष)
3. साहित्य विचार (महावीर प्रसाद द्विवेदी) सम्पा. भारत यायावर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली। (मात्र दस निबन्ध : कवि–कर्त्तव्य, कवि और कविता, कवि बनने के लिए सापेक्ष साधन, कविता का भविष्य, आजकल के हिन्दी कवि और कविता, विचार–विपर्यय, उपन्यास–रहस्य, समालोचना, हिन्दी नवरत्न, नाट्यशास्त्र)

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें निर्धारित दोनों पुस्तकों से 'अथवा' रूपी विकल्प सहित छः गद्यांश दिये जायेंगे, जिनमें से परीक्षार्थी तीन प्रसंगों की व्याख्या करेगा। 6×3=18
2. प्रश्न पत्र के दूसरे खण्ड में 'हिन्दी आलोचना का विकास : भारतेन्दु से महावीर प्रसाद द्विवेदी तक (सामान्य परिचय) से दो दीर्घ प्रश्न अथवा रूपी विकल्प सहित और निर्धारित पाठ्य पुस्तकों/आलोचकों से चार दीर्घ प्रश्न 'अथवा' रूपी विकल्प सहित पूछे जायेंगे, इस प्रकार कुल छह प्रश्नों में से परीक्षार्थी को तीन का उत्तर देना होगा। 9×3=27
3. तीसरे खण्ड में बिना किसी विकल्प के छह लघु प्रश्नों के उत्तर छह–सात पंक्तियों में देना अनिवार्य होगा। 6×5=30

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हिन्दी आलोचना का विकास : नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिन्दी आलोचना का विकास : विश्वनाथ त्रिपाठी।
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग : उदयभानु सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय।

पेपर चार : (विकल्प–3) कबीर : विशेष अध्ययन

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक **आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9**
लिखित परीक्षा : 75 अंक **लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26**
समय : 3 घण्टे

कबीर ग्रन्थावली : सम्पा. श्यामसुन्दर दास (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।)

1. साखी : भाग– 1, 2, 3, 4, 11, 12, 13, 16, 21 कुल 9
2. पदावली : संख्या 51 से 100 तक

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें निर्धारित पुस्तक से अथवा रूपी विकल्प सहित छह पद्यांश दिये जायेंगे, जिनमें से परीक्षार्थी तीन प्रसंगों की व्याख्या करेगा। (6×3=18)
2. प्रश्न पत्र के दूसरे खण्ड में 'कबीर दास से सम्बन्धित' छह प्रश्न 'अथवा' रूपी विकल्प सहित पूछे जाएंगे, जिसमें से परीक्षार्थी को तीन का उत्तर देना होगा। (9×3=27)
3. तीसरे खण्ड में बिना किसी विकल्प छह लघु प्रश्नों के उत्तर छह–सात पंक्तियों में देना अनिवार्य होगा। (5×6=30)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. कबीर : सम्पा. विजयेंद्र स्नातक।
2. कबीर की विचारधारा : गोविन्द त्रिगुणायत।

3. कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी।

4. कबीर का लोकतात्विक चिन्तन : सुखविन्दर कौर बाठ।

5. कबीर : एक अनुशीलन : रामकुमार वर्मा।

6. कबीर मीमांसा : रामचन्द्र तिवारी।

एम.ए. भाग–दूसरा (सैमेस्टर–चौथा)

चौथे समैस्टर में विद्यार्थियों को कुल चार पेपरों का अध्ययन करना होगा, जिसमें से प्रथम तीन अनिवार्य होंगे। चौथे पेपर में तीन विकल्प होंगे, जिनमें से विद्यार्थी एक विकल्प चुनकर उसका अध्ययन करेंगे। प्रत्येक पेपर की बाह्य परीक्षा के 75 अंक होंगे व 25 अंक विभागीय आंतरिक मूल्यांकन पर आधारित होंगें।

पत्रों की रूपरेखा

पेपर पहला : आधुनिक हिन्दी काव्य–2

पेपर दूसरा : पाश्चात्य काव्य–शास्त्र

पेपर तीसरा : प्रयोजनमूलक हिन्दी

पेपर चौथा : वैकल्पिक अध्ययन :

विकल्प 1. हिन्दी आलोचना और आलोचक

विकल्प 2. तुलसीदास (विशेष अध्ययन)

विकल्प 3. लोक साहित्य : सैद्धान्तिक अध्ययन

पेपर एक – आधुनिक हिन्दी काव्य–2

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9
लिखित परीक्षा : 75 अंक लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26
समय : 3 घण्टे

पद्यमाला, सम्पादक : डॉ. लालचन्द गुप्त 'मंगल', के.के. पब्लिकेशन, दिल्ली (केवल चार कवि : अज्ञेय, मुक्तिबोध, धूमिल, कुमार विकल)

छात्रों और परीक्षकों के लिए निर्देश

1. प्रथम प्रश्न सप्रसंग व्याख्या से संबंधित होगा, जिसमें प्रत्येक पुस्तक से दो–दो व्याख्याएं 'अथवा' के शत प्रतिशत विकल्प रूप में पूछी जाएंगी। पाठ्यक्रम से किसी भी रचनाकार को छोड़ा नहीं जा सकता। तीनों कवियों की एक–एक व्याख्या अनिवार्य है। 6×3=18
2. निर्धारित कवियों/रचनाओं से सम्बद्ध अथवा रूपी विकल्प के साथ छह आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा। उल्लेखनीय है कि आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों की मूल रचनाओं के खंड विशेष (Text Book) तक ही सीमित न रखकर संबंधित लेखक की मूल रचना के सम्पूर्ण संदर्भ तथा उसके सम्पूर्ण रचनाकर्म पर भी केन्द्रित हो। 9×3=27
3. छह लघु प्रश्न पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनके उत्तर छह–सात पंक्तियों तक सीमित हों, सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 6×5=30

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक–सूची

1. अज्ञेय कुछ रंग कुछ राग – श्रीलाल शुक्ल
2. अज्ञेय : वागर्थ का वैभव – रमेशचंद्र शाह
3. मुक्तिबोध – सं. लक्ष्मणदत्त गौतम
4. मुक्तिबोध – डॉ. लल्लनराय
5. मुक्तिबोध – डॉ. हुकमचंद राजपाल
6. दूसरे प्रजातंत्र की तलाश में धूमिल – कुमार कृष्ण
7. कटघरे का कवि धूमल – गणेश तुलसीराम अष्टेकर।

पेपर दो–पाश्चात्य काव्यशास्त्र

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक **आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9**
लिखित परीक्षा : 75 अंक **लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26**
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. अरस्तू का त्रासदी–विवेचन, अनुकरण–सिद्धांत, विरेचन–सिद्धांत। लोंजाइनस का उदात्त तत्त्व। आई. ए. रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धांत। सार्त्र का अस्तित्ववाद। क्रोचे का अभिव्यंजनावाद और नई समीक्षा। विशिष्ट प्रवृत्तियां : मनोविश्लेषण और प्रगतिवाद।
2. विभिन्न साहित्यिक विधाओं की समीक्षा (निर्धारित विधाएं–उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध, आलोचना : परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व व प्रकार से संबंधित प्रश्न किए जायेंगे।)

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे, पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से चार का उत्तर देना जरूरी होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से सात लघु प्रश्न बिना विकल्प के दिए जाएंगे, जिनका उत्तर छह–सात पंक्तियों में अनिवार्य है।

अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न – 10×4=40

सात लघु प्रश्न – 5×7=35

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक–सूची

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र– देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

2. पाश्चात्य समीक्षा की रूपरेखा – प्रताप नारायण टंडन, राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली।

3. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – रामपूजन तिवारी।

पेपर तीन : प्रयोजनमूलक हिन्दी

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9
लिखित परीक्षा : 75 अंक लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. कामकाजी हिंदी

हिंदी के विभिन्न रूप– मातृभाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा। कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्यः प्रारूपण, पत्र–लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण। पारिभाषिक शब्दावली– विशेषताएं। पारिभाषिक शब्दावली– निर्माण के सिद्धांत।

2. संचार माध्यमों की हिंदी :

पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।

हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।

जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियां।

विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप– मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट।

हिंदी कप्यूटिंग : कंप्यूटर– परिचय, रूपरेखा और उपयोग।

साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण।

3. अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार।

अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि।

हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।

व्यावहारिक : अनुवाद– अभ्यास (अंग्रेजी/पंजाबी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी/पंजाबी)

छात्रों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे, पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से चार का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से सात लघु प्रश्न बिना विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनका छह–सात पंक्तियों तक सीमित उत्तर देना अनिवार्य है।

अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न – 10×4=40

सात लघु प्रश्न – 5×7=35

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक–सूची

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिंदी : विविध व्यवहारों की भाषा : सुवास कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी : विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकूला।
4. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ और समाधान : देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन।
5. अनुवाद : सिद्धांत व व्यवहार : जयंती प्रसाद नौटियाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. रामप्रकाश/दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. जन पत्रकारिता, जन संचार : सूर्य प्रसाद दीक्षित, संजय प्रकाशन, दिल्ली।
8. अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग : जी गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार : चन्द्रप्रकाश मिश्रा, संजय प्रकाशन, दिल्ली।

पेपर चार : विकल्प एक : हिन्दी आलोचना और आलोचक

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक **आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9**
लिखित परीक्षा : 75 अंक **लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26**
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. हिन्दी आलोचना का विकास : शुक्ल युग से अद्यतन (सामान्य अध्ययन)
2. निर्धारित आलोचक :

(क) रामचन्द्र शुक्ल (ख) नन्ददुलारे वाजपेयी
(ग) हज़ारी प्रसाद द्विवेदी (घ) नगेन्द्र
(ड.) रामविलास शर्मा

छात्रों और परीक्षकों के लिए निर्देश

(क) इस पेपर के प्रथम भाग (हिन्दी आलोचना का विकास : शुक्ल युग से अद्यतन–सामान्य अध्ययन) से दो प्रश्न 'अथवा' रूप में शत–प्रतिशत विकल्प सहित पूछे जायेंगे तथा छह प्रश्न निर्धारित आलोचकों से सम्बन्धित 'अथवा' रूप से शत–प्रतिशत विकल्प सहित पूछे जायेंगे। इस प्रकार कुल आठ प्रश्नों में से परीक्षार्थी को चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। (10×4=40)

(ख) सात लघु प्रश्न (जिनके उत्तर छह–सात पंक्तियों तक सीमित हों) पूरे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के पूछे जाएंगे। सभी का उत्तर देना अनिवार्य होगा। (5×7=35)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. हिन्दी आलोचना का विकास : विश्वनाथ त्रिपाठी
2. आचार्य रामचन्द्रशुक्ल और हिंदी आलोचना : रामविलास शर्मा
3. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
4. बीसवीं सदी की हिंदी आलोचना : निर्मला जैन
5. समकालीन हिन्दी समीक्षा : हुकमचंद राजपाल
6. आलोचना और साहित्य : इन्द्रनाथ मदान
7. आलोचक का दायित्व : रामचन्द्र तिवारी

पेपर चार : विकल्प दो : तुलसीदास (विशेष अध्ययन)

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक **आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9**
लिखित परीक्षा : 75 अंक **लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26**
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1. रामचरितमानस : उत्तरकाण्ड संपूर्ण
2. कवितावली : अयोध्याकाण्ड सम्पूर्ण।

छात्रों व परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

(क) प्रथम प्रश्न व्याख्या से संबंधित होगा, इसमें छह व्याख्याएं दी जाएंगी जिसमें तीन की सप्रसंग व्याख्या करनी अनिवार्य होंगी। (6×3=18)

(ख) दूसरे खण्ड में तुलसीदास से संबंधित छह प्रश्न 'अथवा' रूपी विकल्प सहित पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को तीन का उत्तर देना होगा। (9×3=27)

(ग) तीसरे खण्ड में बिना किसी विकल्प के छह लघु प्रश्नों के उत्तर छह–सात पंक्तियों में देना अनिवार्य होगा। (5×6=30)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. भारतीय सौन्दर्यशास्त्र और तुलसीदास : रामविलास शर्मा, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
2. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
3. तुलसी : सं. उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

पेपर चार : विकल्प तीन : लोक साहित्य : सैद्धान्तिक अध्ययन

कुल अंक : 100 **पास प्रतिशत : 35**
आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक **आंतरिक मूल्यांकन में पास होने के कुल अंक : 9**
लिखित परीक्षा : 75 अंक **लिखित परीक्षा में पास होने के लिए कुल अंक : 26**
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

क. लोक और लोक–वार्ता तथा लोक–विज्ञान

लोक–संस्कृति : अवधारणा, लोक–वार्ता, लोक–संस्कृति और साहित्य

ख. लोक–साहित्य : अवधारणा

लोक–साहित्य के संकलन की समस्याएं

लोक–साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण :

लोक–गीत, लोक–नाट्य, लोक–कथा, लोक–गाथा, लोक–नृत्य, लोक–संगीत

ग. लोक–गीत : संस्कार–गीत, व्रत–गीत, श्रम–गीत, ऋतु–गीत, जाति–गीत।

लोक–नाट्य : रामलीला, रासलीला, यक्षगान, विदेसिया, भांड, तमाशा, नौटंकी

लोक–भाषा : लोक सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियां

पंजाब का लोक साहित्य : सामान्य परिचय

छात्रों व परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. इस पेपर में प्रश्न दो स्तरों पर पूछे जाएंगे। पहले स्तर पर आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से चार का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न परीक्षक पूरे पाठ्यक्रम से इस प्रकार पूछे कि छात्र को पूरे पाठ्यक्रम से उत्तर देना जरूरी हो। दूसरे स्तर पर पूरे पाठ्यक्रम से सात लघु प्रश्न बिना किसी विकल्प के पूछे जाएंगे, जिनका उत्तर छह–सात पंक्तियों तक सीमित हो।

अंक विभाजन

चार दीर्घ प्रश्न – 10×4=40

सात लघु प्रश्न – 5×7=35

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. लोक संस्कृति की रूपरेखा : कृष्णदेव उपाध्याय।
2. लोक संस्कृति और इतिहास : बद्री नारायण, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. लोक साहित्य, सिद्धांत और प्रयोग : श्रीराम शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
4. लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
5. लोक साहित्य और संस्कृति : सुखविन्द्र कौर बाठ।
6. पंजाब के संस्कारगत लोकगीतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन : सुखविन्द्र कौर बाठ, अमर प्रकाशन, गाज़ियाबाद।